Headline

1. **PM Modi South Visit: भारतीदासन विश्वविद्यालय पहुंचे पीएम मोदी, दीक्षांत समारोह में हुए शामिल**
2. **Telangana: 'हमने खो दी है अपनी मस्जिद, केंद्र की गतिविधियों से रहें सावधान'; औवेसी ने साधा भाजपा पर निशाना**
3. **जापान में भूकंप से भारी तबाही, कांपा पूरा मेट्रो स्टेशन, सड़कों पर पड़ीं दरारें**

सांध्य दैनिक

*NewsPaper*NewsPortal*NewsChannel

डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

सतर्क रहें-सजग रहें अभियान

www.dgr.co.in | www.detectivegroupreport.com

वर्ष : 9 अंक : 175 | इंदौर, मंगलवार 02 जनवरी, 2024 | पेज : 8, मूल्य : 2 रुपए

इंदौर में हिट-एंड-रन कानून के विरोध का दूसरा दिन ...

अनेक स्कूलों की बसें रहीं बंद

सिटी और चार्टर्ड बसें भी नहीं चली, यात्रियों की हुई फजीहत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी द्वारा तेल कंपनियों, टैंकर ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन, ड्राइवर यूनियन डिपो व पेट्रोल पंप डीलर्स एसोसिएशन की बैठक के बाद डिपो से जुड़े सभी ड्राइवर और टैंक-लॉरी के ट्रांसपोर्टर काम पर लौटने को राजी हो गए हैं। इंदौर कलेक्टर इलैया राजा ने बताया कि सभी स्कूलों की बसों का संचालन होगा। उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं आने दी जाएगी। इसे लेकर सोमवार शाम को सभी स्कूलों को सूचना भेज दी गई थी। हालांकि इसके बाद भी कई स्कूल बसें नहीं चलीं।शिशुकुंज, विद्यासागर व सन्मति सहित कई स्कूलों की बसों का संचालन नहीं हुआ। बच्चे बस स्टॉप पर खड़े रहे। परिजनों ने कंडक्टर-ड्राइवर को फोन करके कंफर्म किया। इसके बाद वे घर लौट आए। हालांकि कई परिजन बच्चों को छोड़ने स्कूल पहुंचे। बसों के कारण कई स्कूलों की छुट्टी कर दी गई तो डीपीएस स्कूल में ऑनलाइन पढ़ाई कराई जाएगी। दूसरी ओर चोइथराम मंडी में सब्जियों की गाडियां नहीं आई। इस वजह से सब्जियों के दाम बढ़ सकते हैं। दूसरी ओर चार्टर्ड बसें और सिटी बसें भी नहीं चलने की सूचना है।

पेट्रोल-डीजल सप्लाय सामान्य होने से वाहन चालकों को मिली राहत

कटाक्ष

पेट्रोल सप्लाय के लिए सुरक्षा के पूरे इंतजाम

प्रशासन ने भरोसा दिलाया है कि बसों के ईंधन और सुरक्षा को लेकर पुख्ता इंतजाम हैं। शहर में अधिकांश पेट्रोल पंपों पर पेट्रोल-डीजल उपलब्ध करा दिया गया है। मंगलवार को एआईसीटीएसएल से जुड़ी सारी सिटी बसें और चार्टर्ड बसें भी चलेंगी। स्कूल बसों के संचालन पर भी कोई असर नहीं पड़ेगा। कलेक्टर ने सभी यात्री बसों और माल वाहक ड्राइवरों से अपील करने के साथ काम पर लौटने की समझाइश दी है। एसोसिएशन की बैठक के बाद सोमवार देर रात तक 100 से ज्यादा टैंकरों से पेट्रोल-डीजल सप्लाई किया गया। बैठक में इंदौर ट्रक ऑपरेटर एवं एसोसिएशन के सीएल मुकाती ने भी समझाइश दी कि अभी अधिकृत किसी प्रकार की हड़ताल नहीं की गई है और ड्राइवर किसी बहकावे में ना आएं।

पेट्रोल-डीजल को लेकर किसी प्रकार की परेशानी नहीं

इंदौर पेट्रोल-डीजल एसोसिएशन के अध्यक्ष राजेंद्र सिंह वासु ने बताया कि जिले में 270 पंप हैं। इनमें से शहरी सीमा में करीब 100 हैं। शनिवार को बैठक के बाद इनसे जुड़े लगभग सभी ड्राइवर काम पर लौट आए हैं। पंपों पर पेट्रोल-डीजल देर रात तक पूरी तरह पहुंच जाएगा। इसी तरह गैस के 20 से ज्यादा पंप हैं। चूंकि इनमें से आधे से ज्यादा में पाइप सप्लाई सिस्टम है, इसलिए कोई परेशानी नहीं है। दूसरी ओर गैस टैंकर के भी अधिकांश ड्राइवरों का विरोध खत्म हो गया है। इसलिए लोगों को किसी भी प्रकार की परेशानी नहीं होगी।

मांगलिया डिपो पर पुख्ता व्यवस्था

मांगलिया डिपो स्थिति सभी पेट्रोलियम कंपनियों के डिपो पर पेट्रोल-डीजल सप्लाय में बाधा न हो, इसकी ठोस व्यवस्था की गई है। यहां व्यवस्था बनाए रखने के लिए पर्याप्त स्टाफ उपलब्ध है। यहां बाहर किसी प्रकार का विरोध न हो इसके लिए पुलिस की व्यवस्था की गई है।

सियागंज में अभी प्रभावित रहेगा व्यापार

उधर, चूंकि ट्रक ड्राइवर हड़ताल पर हैं तो इसका असर सोमवार को शहर के मुख्य होलसेल मार्केट सियागंज किराना बाजार सहित आसपास के बाजारों पर रहा। सोमवार सुबह न यहां से माल गया और न गाडियां आई। सियागंज होलसेल किराना मर्चेंट एसोसिएशन के सचिव नईम पान वाला ने बताया कि हड़ताल के पहले दिन ही व्यापार पर काफी असर पड़ा है। अगर ऐसी ही स्थिति रही तो बाजार में जमाखोरी व मुनाफाखोरी बढ़ेगी। अगर एक-दो दिन में हड़ताल खत्म हो भी जाती है, तो भी इसका असर इसलिए रहेगा क्योंकि हजारों ट्रक अभी अलग-अलग शहरों में खड़े हैं। ऐसे में माल आने में देर होगी और व्यापार पर इसका असर अभी रहेगा। उन्होंने प्रशासन से इस मुद्दे को जल्दी हल करने की अपील की है।

तीन लाख से ज्यादा लोग प्रभावित

इसके पूर्व सोमवार को सरवटे, गंगवाल, तीन इमली बस स्टैंड, एआईसीटीएसएल की चार्टर्ड, सिटी बसों आदि का संचालन नहीं हुआ, जबकि कई स्कूल बसें भी नहीं चली। इसके चलते 3 लाख से ज्यादा लोग इससे प्रभावित हुए। इनमें बाहर आने-जाने वाले यात्री व डेली अपडाउन करने वाले लोग शामिल हैं। उधर, पीथमपुर की लगभग सभी कंपनियों में कॉन्ट्रैक्ट पर बसें चलती हैं। इसके चलते उन्हें किसी प्रकार की परेशानी नहीं है। अगर सडक़ पर विरोध नहीं होता है, तो इनका संचालन नियमित होगा। कलेक्टर ने बताया कि ट्रक व यात्री बसों के भी संचालन को लेकर एसोसिएशन से चर्चा चल रही है। मंगलवार को सभी एसडीएम,तहसीलदार,नायब तहसीलदार सुबह से ही अपने-अपने कर्तव्य स्थल पर तैनात रहेंगे। इस दौरान ड्राइवर्स को समझाइश देंगे और जाम की स्थिति नहीं बनने देंगे।

महापौर गए 3 जनवरी तक अवकाश पर

पहली बार नगर निगम में दिया महापौर परिषद के सदस्य को चार्ज

राजेंद्र राठौर के पास रहेगा प्रभारी महापौर का चार्ज

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर । महापौर पुष्यमित्र भार्गव 3 जनवरी तक अवकाश पर चले गए है । कई सालों के बाद पहली बार इंदौर नगर निगम में महापौर का अवकाश पर जाने पर महापौर परिषद के सदस्य को महापौर का चार्ज दिया गया है ।

वर्ष 1995 से लगातार इंदौर नगर निगम के चुनाव हो रहे हैं । वर्ष 2020 के बाद में 2 साल चुनाव नहीं हुए थे । उसके बाद फिर चुनाव हो गए थे । कहने का आशय यह है कि लगातार नगर निगम में जनप्रतिनिधि काबिज है । इतनी अवधि के दौरान महापौर कई बार अवकाश पर गए । अमूमन जब महापौर अवकाश पर जाते हैं तो उनके द्वारा अपने पद के कार्य का भार किसी को नहीं सौपा जाता है । कई बार तो शहर के लोगों को मालूम भी नहीं पड़ता है और महापौर अवकाश पर जाकर लौट कर आ जाते हैं ।

राठौर रहेंगे प्रभारी महापौर

इंदौर के वर्तमान महापौर पुष्यमित्र भार्गव के कार्यकाल के 1 वर्ष से अधिक का समय हो चुका है । इस अवधि में अब पहली बार में 3 जनवरी तक के लिए अवकाश पर गए हैं । इस अवकाश की अवधि के लिए उनके द्वारा महापौर परिषद के सदस्य राजेंद्र राठौड़ को अपने पद का कार्यभार सौपा गया है । कई सालों के बाद यहां पहला मौका आया है जब महापौर का कार्यभार किसी व्यक्ति के पास दिया गया है ।

पोरवाल को मिलता था कार्यभार

जिस समय पर इंदौर में महापौर डॉक्टर उमा शशि शर्मा हुआ करती थी । तब उनके द्वारा अवकाश पर जाने अथवा इंदौर से बाहर जाने की स्थिति में अपने पद का कार्यभार उसे समय के जनकार्य विभाग के प्रभारी ललित पोरवाल को दिया जाता था । उसके बाद से ऐसी स्थिति नहीं बनी ।

धन का सदुपयोग धर्म और परमार्थ के कामों में करेंगे तो मौत के बाद भी यश-कीर्ति बनी रहेगी

अ.भा. संत सम्मेलन में जगदगुरु शंकराचार्य का आव्हान, ताई का सम्मान

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सदकर्म करने के लिए किसी मुहूर्त की प्रतीक्षा नहीं करना चाहिए। काल सबके पीछे लगा हुआ है। काल की पकड़ से कोई भी बच नहीं सकता, लेकिन यह भी याद रखें कि काल किसी भी आंख से नहीं दिखाई देता है, उसे तो ज्ञान से ही समझा जा सकता है। जीवन यापन के लिए धन की जरूरत सबको होती है, लेकिन उस धन का कितना अंश हम धर्म पर खर्च करें, यह हमारे संस्कारों पर निर्भर होता है। धन किसी के भी साथ नहीं जाएगा। धन का सदपुयोग धर्म और परमार्थ के कार्यों में करेंगे तो मृत्यु के उपरांत भी हमारी यश-कीर्ति बनी रहेगी। धन को व्यर्थ खर्च करने के बजाय धर्म के विस्तार में निवेश करें तो आने वाली पौध भी समाज और राष्ट्र के नव निर्माण में सहयोगी बन सकेगी। धन से हम केवल अपना या अपने बाद वाली पीढ़ी का उद्धार कर सकते हैं, लेकिन धर्म से कई पीढियों का कल्याण संभव है।

ये प्रेरक विचार हैं जगदगुरू शंकराचार्य भानपुरा पीठाधीश्वर स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ महाराज के, जो उन्होंने सोमवार को बिजासन रोड स्थित प्राचीन अखंड धाम आश्रम पर चल रहे 56वें अ.भा. अखंड वेदांत संत सम्मेलन की धर्मसभा में व्यक्त किए। पूर्व लोकसभा अध्यक्ष श्रीमती सुमित्रा महाजन, समाजसेवी प्रेमचंद गोयल, विजय कृष्णा गोयल, बालकृष्ण छावछरिया सहित अनेक गणमान्य बंधुओं ने भी सोमवार को संत सम्मेलन में पहुंचकर शंकराचार्य सहित अन्य संत-विद्वानों का स्वागत किया। आयोजन समिति की ओर से श्रीमती महाजन, प्रेमचंद गोयल एवं बालकृष्ण छावछरिया का भी सम्मान किया गया। संत सम्मेलन में अखंड धाम के महामंडलेश्वर डॉ. स्वामी चेतन स्वरूप, वृंदावन के महामंडलेश्वर स्वामी जगदीश्वरानंद, वृंदावन से आए पं. हिमांशु महाराज एवं उज्जैन से आए स्वामी वेदानंद, रतलाम से आए स्वामी देव स्वरूप, सारंगपुर से आई साध्वी अर्चना दुबे, भीलवाड़ा के चिन्मय धाम आश्रम से आई साध्वी पद्माश्री, आचार्य पं. कल्याणदत्त शास्त्री ने भी अपने ओजस्वी विचार व्यक्त किए। जगदगुरू शंकराचार्य स्वामी ज्ञानानंद तीर्थ और उनके उत्तराधिकारी स्वामी वरुणानंद तीर्थ ने मुख्य रूप से संत सम्मेलन, देश के वर्तमान हालात एवं अन्य मुद्दों पर अपने विचार रखे। संचालन किया स्वामी जगदीश्वरानंद ने। प्रारंभ में आयोजन समिति की ओर से अध्यक्ष हरि अग्रवाल, महासचिव सचिन सांखला, सचिव भावेश दवे, ठा. विजयसिंह परिहार, सीए विजय गोयनका, राजेन्द्र गर्ग, निरंजन पुरोहित, पलकेश कछवाह, ओमप्रकाश सांखला, ओम कछवाह, मुरलीधर धामानी, राजेन्द्र सोनी आदि ने सभी अतिथियों का स्वागत किया। गुरुवंदना सुश्री किरण ओझा ने प्रस्तुत की। आभार माना सचिन सांखला ने।

आज हजारों दीपों से होगी महाआरती

अखंड धाम आश्रम के संस्थापक ब्रह्मलीन स्वामी अखंडानंद महाराज की 56वीं पुण्यतिथि पर मंगलवार 2 जनवरी को सुबह नौ बजे छप्पन भोग समर्पित किए जाने के बाद संत सम्मेलन की प्रक्रिया प्रारंभ होगी, जो दोपहर 12 बजे तक चलेगी। दोपहर 12 बजे हजारों दीपों से महाआरती की जाएगी। आयोजन समिति के अध्यक्ष हरि अग्रवाल एवं महसचिव सचिन सांखला ने बताया कि संत सम्मेलन में आने वाले श्रद्धालु अपने-अपने घरों से दीपों की थाली सजाकर लाएंगे और आरती करेंगे। इसके साथ ही 56वें संत सम्मेलन का समापन होगा।

शहर के नागरिकों ने सदैव जागरूकता का परिचय दिया

स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश का नववर्ष मिलन समारोह

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। स्टेट प्रेस क्लब, मध्यप्रदेश का नववर्ष मिलन समारोह वरिष्ठ भाजपा नेता एवं पूर्व महापौर कृष्णमुरारी मोघे के मुख्य आतिथ्य में मनाया गया। इस अवसर पर श्री मोघे ने कहा कि इंदौर को भारत के नक्शे पर आगे लाने के लिए नागरिकों ने अपनी जागरूकता का परिचय दिया है। प्रधानमंत्री से लेकर मुख्यमंत्री तक इंदौर के विकास के लिए मुक्त हृदय से सहयोग के लिए तत्पर रहते हैं। श्री मोघे ने इंदौर के मीडियाकर्मियों की तारीफ करते हुए कहा कि प्रदेश और शहर के विकास पर यहां के मीडियाकर्मी सकारात्मक और तेज नजर रखते हैं। जनप्रतिनिधियों को इनकी खबरों से बेहद फायदा मिलता है। कार्यक्रम के अध्यक्ष समाजसेवी महेश शर्मा ने कहा कि मिलन समारोह के माध्यम से किसी भी संस्था का वर्षभर का मूल्यांकन होता है। उन्होंने कहा कि इंदौर हिन्दी पत्रकारिता का गढ़ रहा है। नई पीढ़ी के मीडियाकर्मी भी बेहतर काम कर रहे हैं। इस अवसर पर प्रभारी महापौर राजेन्द्र राठौर, एमआईसी मेम्बर राजेश उदावत, प्रदेश प्रवक्ता गोविंद मालू, संभागीय मीडिया प्रभारी रीतेश तिवारी, भाजयुमो के शहर अध्यक्ष सौगात मिश्रा, कांग्रेस के राष्ट्रीय प्रवक्ता अभय दुबे, शहर कांग्रेस अध्यक्ष सूरजीतसिंघ चड्ढा, प्रदेश कांग्रेस कमेटी के महामंत्री विनय बाकलीवाल, पूर्व विधायक विपिन वानखेड़े, महामंडलेश्वर प्रेमानंद महाराज सहित वरिष्ठ पत्रकार मौजूद थे। प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत प्रवीण कुमार खारीवाल, नवनीत शुक्ला, गोरधन लिम्बोदिया, बंसीलाल ललवानी, कृष्णकांत रोकड़े, मांगीलाल चौहान, गणेश एस. चौधरी, सुदेश गुप्ता ने किया। अंत में आकाश चौकसे ने आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर गायक अन्नू शर्मा ने सुमधुर गीत प्रस्तुत किए।

हुकुमचंद मिल के मजदूरों को राशि का वितरण 11 जनवरी से

राशि का वितरण करने के लिए शुरू हो गई तैयारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर । तीन दशक पूर्व बंद हुई इंदौर की हुकुमचंद मिल के मजदूरों को उनके अधिकार की राशि का वितरण 11 जनवरी से शुरू किया जाएगा । यह राशि देने के लिए तैयारी शुरू कर दी गई है ।

मिल के मजदूरों के द्वारा अपने अधिकार की राशि को प्राप्त करने के लिए लंबी कानूनी लड़ाई लड़ी गई । इस कानूनी लड़ाई में जीत दर्ज करने के परिणाम स्वरूप उन्हें उनके अधिकार की राशि ब्याज सहित मिल पा रही है । पिछले दिनों प्रदेश के नए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव के द्वारा मजदूरों के खाते में राशि ट्रांसफर करने के लिए गृह निर्माण मंडल की ओर से चेक जारी कर दिया गया । इसके बाद से ही इस बात की कवायत शुरू हो गई थी कि अब मजदूरों के खाते में जल्द राशि आ जाएगी । इस पूरे मामले में प्रक्रिया को देख रहे अधिकारियों ने बताया कि 11 जनवरी से राशि ट्रांसफर करने का कार्य शुरू कर दिया जाएगा । अधिकांश मजदूर के बैंक खाता और उनकी बैंक के आईएफएससी कोड की जानकारी पहले से ही एकत्र की हुई है । इस जानकारी की पुष्टि की जा रही है कि कहीं किसी मजदूर के द्वारा अपने इस खाते को बंद कर नया खाता तो नहीं शुरू करवा लिया गया है । इसके साथ ही अब राशि ट्रांसफर का काम शुरू किया जाएगा । इसमें मोटे तौर पर मजदूरों के खाते में 400000 तक की राशि आएगी ।

हुसैनी लंगर का आयोजन 6-7 जनवरी को

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट, इंदौर। हिन्दू- मुस्लिम एकता का प्रतीक हुसैनी उर्स इस बार महू में सात रास्ता, काली माता मंदिर के पीछे हजरत गुलाब शाह पठान दरगाह पर मनाया जा रहा है। हाजी सैयद अमजद अली बाबा एवं संयोजक संतोष स्वामी एवं मुकेश जोशी ने बताया कि यह जश्न-ए-उर्स हजरत सैयद मीराअली दातार, हजरत ताजुद्दीन बाबा, हजरत दादी अम्मा, हजरत मामू जान, हजरत रास्ती अम्मी, हजरत सैयद मकदूम शाह अली कलंदर के छल्ले मुबारक पर हुसैनी लंगर के साथ आयोजित किया जाएगा। उर्स का यह 34वां वर्ष है। उर्स की शुरूआत शनिचर, 6 जनवरी को शाम सात बजे हजरत गुलाब शाह पठान की दरगाह पर चादर पेश करने के साथ होगी। शनिचर की रात को ही महफिल-ए-शमा कव्वाली का प्रोग्राम भी होगा, जिसमें अनेक प्रसिद्ध कव्वाल एवं उनके साथी अपनी कव्वालियां और कलाम पेश करेंगे। रविवार, 7 जनवरी को हुसैनी लंगर का आयोजन तकसीम किया जाएगा। उर्स कमेटी में पप्पू खान, मुकेश जोशी, राजू चौहान, विधायक प्रतिनिधि हेमंत सोलंकी सहित दोनों समुदायों के प्रमुख बंधु मनोनीत किए गए हैं। उर्स में राजस्थान और गुजरात के अलावा इंदौर, धार, बेटमा, पीथमपुर, रतलाम एवं आसपास के श्रद्धालु बड़ी संख्या में शामिल होंगे।

तुलसीराम सिलावट ने जल संसाधन विभाग के मंत्री का पदभार संभाला

बोले-पीएम के संकल्प को साकार करेंगे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। डॉ. मोहन यादव सरकार के कैबिनेट मंत्री तुलसीराम सिलावट ने सोमवार को मंत्रालय में रूम नंबर-101 में विधिवत पूजा अर्चना के बाद जल संसाधन विभाग के कैबिनेट मंत्री के रूप में पदभार संभाल लिया। पिछली सरकार में भी तुलसीराम सिलावट के पास जल संसाधन विभाग का ही प्रभार था। मंत्रालय में पदभार ग्रहण करने के साथ ही मंत्री तुलसीराम सिलावट ने कहा कि बाबा महाकाल के आशीर्वाद से आज विधिवत पूजा-अर्चना के बाद मध्य प्रदेश के जल संसाधन मंत्री के रूप में पदभार ग्रहण किया। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 'विकसित भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में हमारा मध्य प्रदेश भी बढ़ चढ़कर अपना योगदान दे। यह लक्ष्य लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव जी के नेतृत्व में मध्यप्रदेश का जल संसाधन विभाग एक महत्वपूर्ण कड़ी बनकर कार्य करेगा तथा प्रदेश के सभी नागरिकों की खुशहाली और मध्य प्रदेश को समृद्ध बनाने की दिशा में भी अपना शत-प्रतिशत योगदान देगा। ऐसा विश्वास दिलाता हूं। पदभार ग्रहण करने के साथ ही मंत्री सिलावट ने ग्वालियर व चंबल क्षेत्र में श्रीमाधवराज सिंधिया परियोजना, छिंदवाड़ा क्षेत्र में पेंच डायवर्सन योजना, पन्ना में रूंझ व मंझगाव मध्यम योजनाएं, श्योपुर में चेतीखेड़ा परियोजना, सतना व रीवा में बहुत नहर परियोजना के द्रुत गति से निर्माण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। साथ ही अधिकारियों को विभाग में दिवंगत अधिकारियों/कर्मचारियों के परिवार के आश्रित नामांकित परिवार के सदस्यों को अनुकंपा नियुक्ति दिए जाने के लिए सहानुभूतिपूर्वक त्वरित गति से आदेश जारी करने के निर्देश दिए गए। बता दें तुलसीराम सिलावट इंदौर के सांवेर से विधायक हैं। छह बार के विधायक तुलसीराम सिलावट दो बार मंत्री बन चुके हैं। वह ज्योतिरादित्य सिंधिया के साथ कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल हुए थे। उनको ज्योतिरादित्य सिंधिया का खास सिपहसालार माना जाता है।

गृहमंत्री शाह से की विजयवर्गीय ने मुलाकात, शाह ने ही दी थी 9 साल पहले संगठन की जिम्मेदारी

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **नगरीय प्रशासन विभाग का जिम्मा मिलने के बाद कैलाश विजयवर्गीय का साल का पहला दिन दिल्ली में बीता। उन्होंने केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह से मुलाकात की और मध्य प्रदेश से जुड़े मुद्दों पर चर्चा की। इस मुलाकात की जानकारी उन्होने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर भी दी।**

9 साल पहले जब अमित शाह भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष थे तो उन्होने ही विजयवर्गीय को भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव की जिम्मेदारी देकर केंद्र की राजनीति करने का मौका दिया था। तब वे प्रदेश में नगरीय प्रशासन मंत्री थे। तब उन्होंने मंत्री पद से इस्तीफा दिया था।

9 साल बाद फिर विजयवर्गीय ने नगरीय प्रशासन मंत्री का जिम्मा मिलने के बाद खुद को प्रदेश की राजनीति तक सीमित कर लिया है। उन्होंन गत दिनों भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा से मुलाकात कर भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव पद से इस्तीफा उन्हें सौंपा था। तब उनकी मुलाकात मंत्री शाह से नहीं हो पाई थी। इसलिए सोमवार को दिल्ली प्रवास के दौरान उन्होंने शाह से सौजन्य भेंट की। इस दौरान वे भाजपा के दूसरे नेता व पदाधिकारियों से भी मिले।

नए वर्ष की अगवानी में हुआ अन्नकूट महोत्सव

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। लोहारपट्टी स्थित श्रीजी कल्याण धाम, खाड़ी के मंदिर पर अन्नकूट महोत्सव का दिव्य आयोजन हंसदास मठ के महामंडलेश्वर स्वामी रामचरणदास महाराज के सानिध्य में यज्ञ, हवन के साथ सौल्लास संपन्न हुआ। बिदा ले रहे अंग्रेजी वर्ष 2023 और आ वाले वर्ष 2024 की संधि बेला में महामंडलेश्वर स्वामी राधे राधे बाबा, महंत रामबालक दास रामायणी, आचार्य पं. रामचंद्र शर्मा वैदिक, महंत यजत्र दास, राष्ट्र कवि पं. सत्यनारायण सत्तन, पूर्व विधायक सुदर्शन गुप्ता, पूर्व पार्षद सुरेश मिंडा, पूर्व महापौर डॉ. उमाशिश शर्मा, पं. गोविंद शर्मा, मनोहर सोमानी, कमलेश खंडेलवाल आदि ने आरती में शामिल होकर सबके लिए सुख-शांति और समृद्धि की प्रार्थना की। इस अवसर पर मंदिर स्थित सभी देवी-देवताओं को 56 भोग समर्पित किए गए। देर रात तक अन्नकूट में महाप्रसादी का दौर चलता रहा। अंत में पं. पवनदास शर्मा ने आभार माना।

बीआरटीएस पर आई बस से युवक ने लगाई रेस

इंदौर। आई बस से रेस लगाते हुए एक युवक का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। युवक पहले बस स्टॉप के पास ही व्यायाम कर रहा है।

इसके बाद बस के चलते ही दौड़ लगाकर आगे की तरफ निकलता हुआ दिखाई दे रहा है। बता दें कि पूर्व में बीआरटीएस पर डांस करते हुए और टीआई के रेस लगाते हुए वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो चुके है। यह वीडियो इंदौर के देवास नाका के पास का बताया जा रहा है। युवक का नाम अनमोल है। जिसने अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर वीडियो को अपलोड किया है। युवक जिम जाने के साथ एक्साइज करता है। वह कई तरह के एक्सरसाइज के वीडियो सोशल मीडिया पर अपलोड करता है। पूर्व में विजय नगर टीआई तहबीज काजी का वीडियो भी सोशल मीडिया पर वायरल हो चुका है। वह रात में यहां पर एक्साइज करने के साथ दौड लगाते दिख जाते थे। पूर्व खजराना टीआई दिनेश वर्मा के साथ उन्होंने रेस भी लगाई थी।

रामकथा जहां भी होती है, वहां स्नेह, दया और करूणा की वर्षा अवश्य होती है : सुरेश्वरदास

नौ दिवसीय रामकथा का शोभायात्रा के साथ हुआ शुभारंभ

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। समुद्र का पानी खारा होता है, लेकिन आकाश के सम्पर्क में आकर वर्षा जल के रूप में मीठा बन जाता है। सज्जनों और श्रेष्ठ लोगों की संगत में आकर हमारा भी चरित्र ऊंचा बन सकता है। रामकथा जहां भी होती है, वहां स्नेह, दया और करुणा की वर्षा अवश्य होती है। रामकथा संस्कृति और संस्करों का पोषण करती है। इसे हम भक्ति, कर्म और ज्ञान का संयोग भी कह सकते हैं, जिस तरह मोबाइल की बेटरी डिस्चार्ज होने पर उसे रिचार्ज करना होता है, उसी तरह रामकथा भी हमारे जीवन की उमंगों को रिचार्ज करती है।

ये दिव्य विचार हैं रामकथा मर्मज्ञ आचार्य डॉ. सुरेश्वरदास रामजी महाराज के, जो उन्होंने सोमवार को बफार्नी धाम के पीछे स्थित गणेश नगर में माता केशरबाई रघुवंशी धर्मशाला परिसर के शिव-हनुमान मंदिर की साक्षी में सोमवार से प्रारंभ 9 दिवसीय रामकथा के शुभारंभ सत्र में व्यक्त किए। कथा का शुभारंभ शिव-हनुमान मंदिर से बाजे-गाजे के साथ निकली कलश यात्रा से हुआ। मार्ग के लगभग सभी स्थानों पर घर-घर कलश यात्रा का स्वागत किया गया। रामकथा मर्मज्ञ डॉ. सुरेश्वरदास पैदल चल रहे थे। भजन एवं गरबा मंडलियां भी नाचते-गाते हुए चल रही थी। पुनः मंदिर आकर कलश यात्रा का समापन हुआ।

गणेश पूजन, ब्राह्मण पूजन, नवग्रह पूजन के बाद व्यासपीठ पर विराजित होकर डॉ. सुरेश्वरदास ने अयोध्या, संतों, सरयू एवं रामचरित मानस की महत्ता बताते हुए कहा कि रामकथा जीवन को मर्यादित और संस्कारित बनाती है। भगवान राम के चरित्र में कहीं भी दोष नहीं है। इसीलिए उन्हें मयार्दा पुरुषोत्तम कहा गया है।

ध्वजा पूजन के साथ चार दिवसीय रणजीत अष्टमी महोत्सव का शुभारंभ

इंदौर। इंदौर के प्राचीन रणजीत हनुमान मंदिर में चार दिनी रणजीत अष्टमी उत्सव अंग्रेजी कैलेंडर के अनुसार नववर्ष के पहले दिन यानी 1 जनवरी से शुरू हुआ। इसके तहत 4 जनवरी को रणजीत अष्टमी पर सुबह 5 बजे परंपरागत प्रभातफेरी निकाली जाएगी। महोत्सव का प्रारंभ कलेक्टर डॉ. इलैया राजा टी ने ध्वजा पूजन के साथ किया। इस अवसर पर मंदिर प्रशासक, महाप्रबंधक के साथ ही मंदिर के मुख्य पुजारी पं. दीपेश व्यास एवं पुजारी परिवार के सदस्यों के साथ ही भक्त मंडल के कई सदस्य उपस्थित थे। मंदिर के मुख्य पुजारी पं. व्यास ने बताया कि महोत्सव के दौरान 2 जनवरी को दीपोत्सव मनेगा। 3 जनवरी को रणजीत हनुमानजी का अभिषेक-पूजन कर 11 हजार रक्षासूत्रों को सिद्ध किया जाएगा। ये रक्षासूत्र भक्तों को वितरित किए जाएंगे।

उल्लेखनीय है कि प्रभातफेरी में भजन मंडलियां और लाखों श्रद्धालु शामिल होंगे। पूरे यात्रा मार्ग पर केसरिया पताकाएं और ध्वज लगाए जा रहे हैं। अयोध्या के नए राम मंदिर में मूर्ति स्थापित होगी। ऐसे में इस बार का पूरा उत्सव भगवान राम को समर्पित रहेगा। प्रभातफेरी में अयोध्या के राम मंदिर का 40 फीट लंबा मॉडल खासतौर पर शामिल होगा।

उज्जैन में सिंहस्थ से ज्यादा भीड़

◆ 6 लाख श्रद्धालुओं ने किए महाकाल के दर्शन; 45 हजार से अधिक ने की भस्मारती

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

उज्जैन। नए साल के पहले दिन उज्जैन में भगवान महाकाल के दर्शन के लिए रिकॉर्ड संख्या में श्रद्धालु पहुंचे हैं। महाकालेश्वर मंदिर प्रशासन के मुताबिक, सोमवार शाम 6 बजे तक 6 लाख से ज्यादा श्रद्धालु दर्शन कर चुके हैं। रात तक 8 लाख श्रद्धालुओं के आने का अनुमान है। इससे पहले 2016 में सिंहस्थ के शाही स्नान के पहले दिन उज्जैन में 6 लाख श्रद्धालु आए थे।

नव वर्ष के पहले दिन सोमवार सुबह 4 बजे मंदिर के कपाट खोले गए। सुबह 4 से 6 बजे तक लगभग 45 हजार श्रद्धालुओं ने चलित भस्म आरती और बाबा के दिव्य दर्शन किए। लोगों ने महाकालेश्वर का आशीर्वाद लेकर नए साल की शुरूआत की और सफलता, सुख शांति की प्रार्थना की।

उज्जैन में होटल, होम स्टे, धर्मशाला, टैक्सी की बुकिंग फुल हो चुकी है। मंदिर समिति का दावा है कि 40 मिनट में भक्तों को दर्शन कराए जा रहे हैं। इस बार श्रद्धालु महाकाल दर्शन के बाद सीधे महाकाल लोक जा रहे हैं। पहले श्रद्धालुओं को लंबा चक्कर लगाकर मेन गेट से महाकाल लोक आना पड़ता था। हालांकि, आज के दिन शीघ्र दर्शन सुविधा बंद है।

मंदिर समिति का दावा है कि दो दिन में महाकाल लोक में 12 लाख लोगों के पहुंचने की उम्मीद है। प्रशासन ने क्राउड मैनेजमेंट को लेकर तैयारी की है।

40 मिनट में दर्शन का दावा

मंदिर समिति का दावा है कि श्रद्धालुओं को 40 मिनट में दर्शन कराए जा रहे हैं। लोग चारधाम मंदिर से शक्ति पथ होते हुए, महाकाल लोक, फैसिलिटी सेंटर, टनल होते हुए गणेश मंडपम तक पहुंचकर यहां से दर्शन कर सकेंगे। इसके बाद इमरजेंसी गेट से बाहर की ओर बड़ा गणेश मंदिर के समीप होते हुए हरसिद्धि मंदिर तिराहा और पुनः चारधाम मंदिर पहुंचकर चरण पादुका लेकर गंतव्य की ओर रवाना होंगे।

साल की पहली भस्म आरती के लिए फुल रही बुकिंग

1 जनवरी 2024 की होने वाली भस्म आरती के लिए ऑनलाइन बुकिंग एक महीने पहले फुल हो चुकी थी। 31 दिसंबर को अलसुबह 6 बजे ऑफलाइन बुकिंग की लाइन लगी, जो एक घंटे में फुल हो गई। हालांकि, चलित दर्शन व्यवस्था लागू की गई है। श्रद्धालुओं की संख्या बढ़ने पर कार्तिकेय मंडप रिक्त रखा जाएगा, जहां से चलित भस्म आरती की दर्शन व्यवस्था की जाएगी।

होटल फुल, किराया भी दोगुना

उज्जैन में छोटे-बड़े होटल समेत होम स्टे, धर्मशाला और टैक्सी भी पहले से बुक हैं। अधिकांश लोगों ने उज्जैन घूमने और ओंकारेश्वर तक की टैक्सी बुक करवाई है। इम्पीरियल होटल के मुर्तजा अली ने बताया कि तीन दिन के लिए होटल बुक हैं। यही हाल अंजू श्री, अथर्व, रुद्राक्ष और मित्तल जैसे बड़े होटलों का भी है। महाकाल मंदिर के आसपास की अधिकांश छोटे होटल पूरी तरह बुक हैं।

चिंतामन होटल के मोनू ठाकुर ने बताया कि एक भी कमरा खाली नहीं है। बढ़ती भीड़ को देखते हुए होटल संचालकों ने किराया दोगुना कर दिया है। एक हजार वाले रूम 2000 रुपए तक में बुक हो रहे हैं।

तीन गुना बढ़ी फूलों की खपत

महाकाल मंदिर के सहायक प्रशासक मूलचंद जूनवाल ने बताया कि आम दिनों में रोजाना करीब दो टन फूल चढ़ते हैं। त्योहार पर यह खपत दो से तीन गुना बढ़ जाती है। नए साल पर 6 टन फूल अर्पित करने की संभावना है। मंदिर प्रशासन 2019 से रोजाना विभिन्न धार्मिक स्थलों से एकत्र कर 3 टन फूलों को फ्लोरल प्रोसेसिंग प्लांट में भेजता है।

फूलों के कारोबारी राजेंद्र चौहान ने बताया कि शहर में 3 टन से 5 टन माल आता है। नए साल पर मंदिरों में आकर्षक श्रृंगार किया जाता है, इसलिए 8 टन फूल लगने की संभावना है। इनमें सेवंती, गेंदा और गुलाब शामिल हैं।

मंदिर तक पहुंचने के लिए 50 बसों की व्यवस्था

कलेक्टर ने बताया कि वीआईपी बेगमबाग से प्रवेश कर यहीं बनी पार्किंग में गाड़ी पार्क करेंगे। निर्माल्य गेट से प्रवेश मिलेगा। दर्शन के लिए भक्तों को करीब एक किमी पैदल चलकर बैरिकेडिंग से महाकाल लोक होते हुए मंदिर में प्रवेश मिलेगा। कर्कराज पार्किंग, भील समाज धर्मशाला, शनि मंदिर के पास और कलोता समाज धर्मशाला में वाहन पार्क कर सकेंगे। इंजीनियरिंग कॉलेज तिराहे पर हाउसिंग बोर्ड की जमीन पर, हरी फाटक पर हाट बजार, शासकीय इंजीनियरिंग कॉलेज और प्रशांति धाम में भी वाहन पार्क कर सकेंगे। यहां से मंदिर तक पहुंचने के लिए 50 बसों की व्यवस्था रहेगी।

प्रदेश में अप्रैल और अक्टूबर में सबसे ज्यादा छुट्टियां

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। साल 2024 में मध्यप्रदेश में किस महीने में कितनी सरकारी छुट्टियां और कहां-कब बड़े इवेंट हैं। जनवरी में 26 से 28 तक : गणतंत्र दिवस शुक्रवार को है, फिर 27 जनवरी को शनिवार और 28 को रविवार की छुट्टी।

मार्च में दो लॉन्ग वीकेंड: पहला लॉन्ग वीकेंड 8 से 10 मार्च तक। 8 मार्च (शुक्रवार) को महाशिवरात्रि के बाद शनिवार, रविवार की छुट्टी। दूसरा लॉन्ग वीकेंड 29 से 31 मार्च तक। 29 को गुड फ्रायडे के बाद शनिवार, रविवार।

मई में 10 से 12 तक : 10 मई शुक्रवार को परशुराम जयंती, फिर शनिवार, रविवार की छुट्टी।

जून में 15 से 17 तक : शनिवार और रविवार के बाद सोमवार (17 जून) को इदुज्जुहा का अवकाश।

अगस्त में दो लॉन्ग वीकेंड : 17 को शनिवार, 18 को रविवार और 19 सोमवार को रक्षाबंधन। जन्माष्टमी सोमवार (26 अगस्त) को है। शनिवार, रविवार को मिलाकर लगातार तीन दिन (24 से 26) छुट्टी।

सितंबर में 14 से 16 तक : 14 को शनिवार, 15 को रविवार और 16 सोमवार को मिलाद उन नबी की छुट्टी।

नवंबर में 15 से 17 तक : 15 शुक्रवार को गुरुनानक जयंती व राष्ट्रीय जनजाति गौरव दिवस के अवकाश के बाद शनिवार व रविवार की छुट्टी।

खराब मौसम और कोहरा बना मुसीबत : 85% ट्रेनें लेट

57 में से 48 देरी से आईं, शताब्दी-भोपाल एक्सप्रेस री-शेड्यूल

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

भोपाल। पिछले करीब 10 दिनों से रेल यात्री हैरान-परेशान हैं। दिल्ली और उत्तर भारत में मौसम की खराबी और कोहरे के चलते ट्रेनों की लेटलतीफी लगातार बढ़ रही है। रविवार को तो दिल्ली तरफ से आने वाली करीब 85 फीसदी ट्रेनें देरी से चल रही थीं और इसी देरी से देर शाम तक भोपाल पहुंचीं।

संख्या के हिसाब से देखें, तो उस तरफ से आने वाली 57 में से 48 ट्रेनें देरी से चलीं। इनमें 35 ट्रेनें औसतन 12 से 15 घंटे की देरी से रहीं। इसका नतीजा यह हो रहा है कि अब रैक न पहुंचने के कारण इन्हें री-शेड्यूल करना पड़ रहा है। साथ ही वापसी का सफर भी खासा कठिन होने लगा है।

नई दिल्ली-आरकेएमपी शताब्दी एक्सप्रेस और हजरत निजामुद्दीन-आरकेएमपी शान-ए-भोपाल एक्सप्रेस को लगातार तीसरी बार री-शेड्यूल किया गया। इसका मुख्य कारण इन दोनों ही ट्रेनों की पिछले कुछ दिनों से औसतन लेटलतीफी 5 घंटे से ज्यादा होना है। इसके अलावा जबलपुर-नई दिल्ली श्रीधाम एक्सप्रेस को भी दो दिन से री-शेड्यूल किया जा रहा है।

रविवार को मप्र संपर्क क्रांति को री-शेड्यूल कर रवाना किया। सीनियर डीसीएम सौरभ कटारिया का कहना है कि कोहरा काफी घना है, इसलिए उसका खासा असर ट्रेनों के आवागमन पर पड़ रहा है। रेल प्रशासन ने यात्रियों की सुविधा के लिए भोपाल-आरकेएमपी सहित 11 स्टेशनों पर कोहरे के कारण लेट हो रही ट्रेनों की जानकारी देने काउंटर शुरू किए हैं।

लिंक ट्रेन भी 5 घंटे से ज्यादा लेट, इससे भी हो रही मुश्किल

ट्रेनों की लेटलतीफी का असर यह भी हो रहा है कि एक स्टेशन से दूसरे के लिए लिंक ट्रेनें भी 5 घंटे से ज्यादा की देरी से आ रही हैं। इस वजह से उनसे सफर करने वाले यात्रियों को रात-बेरात रेलवे स्टेशनों पर परेशान होना पड़ रहा है।

गुना बस हादसे के मृतकों के अवशेष गठरियों में सौंपे

डीएनए जांच से की शवों की पहचान; बस में 13 लोग जिंदा जले थे

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

गुना। गुना बस हादसे के मृतकों के शव और अवशेष सोमवार को परिजन को सफेद गठरियों में सौंप दिए गए। डीएनए जांच से इन शवों की पहचान की गई। आरोपी बस मालिक को कोर्ट ने जेल भेज दिया गया है। हादसे में 27 दिसंबर को 13 लोगों की जलने से मौत हो गई थी।

प्रभारी मान सिंह ठाकुर ने

बताया कि रविवार को आरोपी बस मालिक भानुप्रताप सिंह (42) पुत्र स्व. बाबू सिंह सिकरवार निवासी विंध्याचल कॉलोनी गुना को गिरफ्तार कर लिया गया। उसने पानीपत में फरारी काटी थी।

13 लोग जिंदा जल गए थे

बता दें, हादसा बुधवार रात करीब साढ़े 8 बजे हुआ। बस गुना से आरोन की ओर जा रही थी, तभी सामने से आ रहे एक डंपर से बस की टक्कर हो गई। टक्कर लगते ही बस पलट गई और उसमें आग लग गई थी। 11 लोग बस के अंदर ही जल गए। हादसे में कुल 13 लोगों की मौत हुई है। घायलों को इलाज के लिए जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया था। 4 घायलों को इलाज के लिए रेफर कर दिया गया।

आरोपी पर 10 मामले हैं दर्ज

इस मामले के आरोपी भानु प्रताप सिंह पर कई थानों में आपराधिक मामले दर्ज हैं। सबसे ज्यादा कोतवाली थाने में उस पर मामले दर्ज हैं। उस पर हत्या के प्रयास, बलवा, किसी के घर में बिना अनुमति के घुसने, सशस्त्र डकैती, मारपीट, गाली-गलौज सहित कई मामले दर्ज हैं। 7 मामले कोतवाली में, एक कैंट थाने में और दो न्यायालय के आदेश पर दर्ज हुए हैं। 2009 के एक मामले में तो उसे अदालत ने दो वर्ष की

Tamil Nadu

इंश्योरेंस के एक करोड़ रुपये पाने के लिए युवक ने रची खौफनाक साजिश, खुलासे से पुलिस भी चौंक गई

चेन्नई, (एजेंसी) तमिलनाडु में बीते साल सितंबर में चेंगलपेट इलाके के गांव में झोपड़ी में आग लगने से एक व्यक्ति की मौत हो गई थी। पुलिस ने इसे हादसा मानकर जांच लगभग बंद कर दी थी लेकिन फिर पुलिस के हाथ कुछ ऐसी जानकारी मिली कि पुलिस ने फिर से इस मामले की जांच शुरू की। जांच शुरू करने के बाद जो खुलासा हुआ, उससे पुलिस भी हैरान रह गई। जांच में पता चला कि जिसे वह मरा मान रहे थे, वह असल में जिंदा है और उसने अपनी मौत की साजिश रचने के लिए अपने दोस्त की जघन्य हत्या की थी।

क्या है मामला- दरअसल सुरेश आर (38 वर्षीय) नामक युवक चेन्नई में रहकर जिम में फिजिकल ट्रेनर का काम करता था। बीते दिनों में ही वह चेन्नई से वापस अपने गांव चेंगलपेट के अल्लानूर में आकर रहने लगा था। बीते साल 16 सितंबर को सुरेश जिस घर में रहता था, उसमें आग लग गई। आग में एक व्यक्ति की जलकर मौत हुई थी, जिसे सुरेश की मां ने अपना बेटा बताया था। इस पर पुलिस ने भी यही माना कि मारा गया युवक सुरेश है, लेकिन दिसंबर में पुलिस को सूचना मिली कि सुरेश असल में जिंदा है। इस पर पुलिस ने घटना की जांच शुरू की। जांच के दौरान पुलिस को पता चला कि सुरेश का एक दोस्त दिल्ली बाबू (39 वर्षीय) उस समय से गायब है, जब सुरेश की मौत हुई थी। बाबू के परिवार ने गुमशुदगी की रिपोर्ट पुलिस में दर्ज कराई थी। इस पर पुलिस ने बाबू के बड़े भाई पलानी से पता चला कि दिल्ली बाबू अक्सर सुरेश के घर जाता था और दोनों दोस्त थे।

Bihar

पत्नी का दो प्रेमियों के साथ चल रहा अफेयर, गुस्साए पति ने तीनों की कर दी हत्या, बोरे में मिली लाशें

पूर्वी चंपारण, (एजेंसी) पूर्वी चंपारण के सुगौली में प्रेम प्रसंग से नाराज पति ने पत्नी व उसके दो प्रेमियों की हत्या कर दी है। पति ने महिला व उसके एक प्रेमी की हत्या गला दबाकर नेपाल के नारायण घाट चितवन में कर शवों को बोरा में रखकर घर में छुपा दिया। मृतकों की पहचान सुगौली थाना क्षेत्र के सुगांव डीह गांव निवासी अखिलेश प्रसाद की पत्नी स्मिता देवी व उसके प्रेमी फुलवरिया गांव निवासी ऋषभ कुमार के रूप में हुई है।

वहीं दूसरे प्रेमी फुलवरिया गांव निवासी रितेश कुमार का शव अबतक बरामद नहीं हो सका है। पुलिस शव की तलाश कर रही है। तीनों की हत्या का खुलासा स्मिता के पति अखिलेश कुमार से पूछताछ के बाद हुआ है। सुगौली पुलिस अखिलेश को हिरासत में लेकर पूछताछ कर रही है।

नेपाल के नारायण घाट चितवन में नेपाल पुलिस ने नवंबर में एक घर से दो अलग-अलग बोरे में दो शव बरामद किया था। इसकी जानकारी पर पहुंचे ऋषभ के पिता ने दोनों शवों की पहचान की थी। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि रितेश के अपहरण के मामले में स्मिता के पति अखिलेश को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

पूछताछ में मिले सुराग के आधार पर आगे कार्रवाई की जा रही है। अखिलेश ने पुलिस को बताया है कि 23 अक्टूबर को रितेश को बुलाकर उसने उसकी हत्या कर दी और शव को ऋषभ के मामा के गांव केसरिया थाना के खाप गोपालपुर गांव के सरेह में गड्ढा में दबा दिया था। इसके बाद ऋषभ व उसकी पत्नी स्मिता दोनों नेपाल के चितवन में रहने लगे। वह वहां भी चला गया। इस दौरान मौका मिलते ही उसने दोनों की बारी-बारी से गला दबाकर हत्या कर दी।

Uttarpradesh

रात में बेटी संग प्रेमी को देख भड़क उठा पिता, फावड़े से काटकर दोनों को उतार दिया मौत के घाट, फिर पहुंचा थाने

बदायूं, (एजेंसी) यूपी के बदायूं में एक युवक अपनी प्रेमिका से मिलने गया था. तभी युवती के पिता ने उनको मिलते हुए देख लिया. गुस्से में आकर उसने फावड़े से काटकर दोनों को मौत के घाट उतार दिया. फिर खुद ही थाने पहुंचकर सरेंडर कर दिया. इस डबल मर्डर से इलाके में सनसनी फैल गई. सूचना मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंच गया. फिलहाल, पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है.

पूरा मामला बिल्सी थाना क्षेत्र के परौली गांव का है. यहां रहने वाली 20 साल की एक युवती के संबंध अपनी ही जाति (एससी) के एक युवक से हो गए थे. देर रात दोनों ने मिलने की प्लानिंग की और युवक युवती के घर पहुंच गया. लेकिन इसी बीच दोनों को मिलते हुए युवती के परिजनों ने देख लिया.

इसके बाद युवती के पिता ने मौके पर ही दोनों को पकड़कर पीटना शुरू कर दिया. बाद में परिजनों के साथ मिलकर दोनों की फावड़े से काटकर हत्या कर दी. वारदात को अंजाम देने के बाद युवती का पिता खुद ही फावड़ा लेकर थाने पहुंच गया. उसने पूरी घटना वहां उपस्थित

Bihar

बिहार में जिंदा जल गया पूरा परिवार, पति-पत्नी समेत दो बच्चों की मौत, सोते वक्त भड़की आग

बेगूसराय, (एजेंसी) बेगूसराय में नए साल के पहले ही दिन एक ही परिवार के चार लोग जिंदा जल गए। जिसमें पति-पत्नी और उनके दो बच्चे शामिल हैं। बताया जा रहा है कि घर में अचानक लगी आग में पूरे परिवार की जिंदा जलकर मौत हो गई। घटना बछवाड़ा थाना क्षेत्र के अरवा पंचायत के नवटोलिया गांव की बताई जा रही है। घटना के वक्त पूरा परिवार फूस के घर में सो रहे थे। पुलिस ने शवों को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। और आगे की कार्रवाई में जुट गई है।

सोमवार की रात बिजली की शार्ट सर्किट से लगी भीषण आग में एक ही परिवार की गर्भवती महिला समेत कुल चार सदस्य जिंदा जल गए। मृतकों में पति-पत्नी व दो बच्चे शामिल हैं। सभी फूस के घर में एक साथ सोए हुए थे। मृतकों में अरवा नया टोल वार्ड संख्या- 9 निवासी राम कुमार पासवान के 32 वर्षीय पुत्र नीरज पासवान व उसकी 30 वर्षीया पत्नी कविता देवी तथा 5 वर्ष के पुत्र लव एवं 3 वर्ष के पुत्र कुश शामिल हैं। ग्रामीणों ने बताया कि सभी सोमवार की शाम करीब 8:30 बजे खाना खाकर एक ही घर में सोए थे। रात्रि करीब 9:45 बजे उसके घर में बिजली के शॉर्ट सर्किट से अचानक आग पकड़ ली। देखते ही देखते पूरा घर आग की तेज लपटों में तब्दील हो गया और सभी सदस्य जिंदा जल गए। बताया गया है कि मृतका कविता देवी 8 माह की गर्भवती थी। ग्रामीणों ने बताया कि मृतक नीरज पासवान गांव में ही रहकर मजदूरी करता था। घटना के बाद मंगलवार की सुबह सभी मृतकों के शव को राख की ढ़ेर से पुलिस प्रशासन द्वारा बरामद किया गया। घटनास्थल पर एसडीएम राकेश कुमार, तेघड़ा डीएसपी डॉ रविंद्र मोहन प्रसाद, थानाध्यक्ष अजित कुमार, बीडीओ अभिषेक राज, सीओ दीपक कुमार आदि अधिकारियों की टीम घटना की छानबीन में जुटे थे।

खेल

मां बनने के बाद कोर्ट पर लौटीं ओसाका की जीत से शुरुआत, टाईब्रेकर में मिली रोमांचक जीत

ब्रिसबेन। मां बनने के बाद पहला मैच खेल रहीं जापान की नाओमी ओसाका ने साल के पहले दिन मुश्किल मैच जीतकर शुरुआत की। पूर्व नंबर एक ओसाका सितंबर 2022 के बाद पहला प्रतियोगी मैच खेल रही थीं। चार बार की ग्रैंडस्लैम विजेता दूसरे सेट में 5-3 की बढ़त के बाद सर्विस गंवाई। उसके बाद उन्हें तीन मैच प्वाइंट की जरूरत थी। उन्होंने उसके बाद संयम कायम रखते हुए तमारा कार्पोस्टस्च को ब्रिसबेन इंटरनेशनल के पहले दौर में 6-3, 7-6 (9) से हराया।

ओसाका ने पिछले साल ऑस्ट्रेलियन ओपन नहीं खेला था और बाद में खुलासा किया था कि वह मां बनने वाली हैं। जुलाई में उन्होंने लॉस एंजिलिस बिटिया शाई को जन्म दिया। मां बनने के बाद उन्होंने अपना पिछला मैच 2022 यूएस ओपन में खेला था जब वह पहले दौर में बाहर हो गई थी। उसके बाद उन्होंने वापसी से पहले कई महीने तैयारियों में

बिताए हैं। उन्होंने कहा कि जब मैं ऑटोग्राफ दे रही थी तो बच्चों के लेकर मेरा दृष्टिकोण बदला नजर आया है। मैं अब एक मां जो बन गई हूं। सोच रही थी कि कुछ समय बाद शाई इतनी बड़ी हो जाएगी।

ओसाका का मुकाबला अब पूर्व नंबर एक तीन बार की ब्रिसबेन इंटरनेशनल चैंपियन कैरोलिना प्लिसकोवा से होगा। पुरुष वर्ग में शीर्ष वरीय होल्गर रुने ने ऑस्ट्रेलिया के मैक्स पुरसेल को 4-6, 6-4, 6-2 हराया और तीसरी वरीय अमेरिका के 21 साल के बेन शेल्टन को रोमन सैफियूलिन ने 6-3, 6-7, 6-3 से पराजित किया। 26 साल के रोमन की दुनिया में 39वीं रैंकिंग हैं लेकिन वह कार्लोस अल्कारेज और एलेक्जेंडर ज्वेरेव को हरा चुके हैं। ब्रिसबेन इंटरनेशनल 14 जनवरी से शुरू होने वाले ऑस्ट्रेलियन ओपन से पहले तैयारी टूर्नामेंट माना जाता है।

नाओमी ओसाका ने कहा 'वापसी को लेकर मैं थोड़ा नर्वस थी लेकिन सच पूछो तो मेरे लिए जिंदगी बदल गई है। मुझे हर समय लगा कि शाई (बिटिया) मुझे देख रही है। मैं उसके लिए अपना श्रेष्ठ करना चाहती हूं। मुझे उसका रोलमॉडल बनना है।' दो बार की विंबलडन चैंपियन चेक गणराज्य की पेत्रा क्वितोवा ने सोशल मीडिया पर घोषणा की है कि वह इन गर्मियों में मां बनने जा रही हैं। उन्होंने नए वर्ष की शुभकामना देते हुए कहा कि जिरी और मैं अपने परिवार में नए मेहमान का स्वागत करने की तैयारी कर रहे हैं। तैंतीस साल की क्वितोवा ने पिछले साल जुलाई में जिरी वानेक से विवाह किया था। वह 2011 और 2014 में विंबलडन जीत चुकी हैं।

सिनेमा

जॉन अब्राहम ने मुंबई के पॉश इलाके में खरीदा बंगला

बॉलीवुड के जाने-माने एक्शन हीरो जॉन अब्राहम आज किसी पहचान के मोहताज नहीं हैं। जॉन ने पर्दे पर कॉमेडी से लेकर एक्शन और रोमांटिक रोल निभाकर दर्शकों के दिलों में अपनी खास जगह बनाई है। अपने करियर में जॉन ने कई सुपरहिट फिल्में दी हैं।ऐसे में अब जॉन को लेकर एक बड़ी खबर सामने आ रही है। जॉन ने मुंबई में एक नया बंगला खरीदा है। इस बात के सामने आने के बाद फैंस काफी खुश हैं। जॉन अब्राहम ने अपना नया आशियाना मुंबई के खार इलाके की लिंकिंग रोड पर खरीदार है। जॉन का ये बंगला निर्मल भवन के नाम से है, जो करीब 7,722 वर्ग फुट में फैला है, जिसमें निर्माण कार्य करीब 5,416 वर्ग फिट परिसर में हुआ है। इस बंगले की कीमत 70.83 करोड़ रुपये बताई जा रही है। बंगले का ये सौदा 27 दिसंबर, 2023 को किया गया और लगभग 4.24 करोड़ रुपये स्टाम्प ड्यूटी भी भरी गई है। एक्टर का ये बंगला समुद्र किनारे है, जिसका व्यू बेहद खूबसूरत है। जॉन का ये नया बंगला खार के पॉश लिंकिंग रोड पर है।

संपादकीय

खतरे का संकेत

ब्रह्मांडीय विचलनों के चलते पृथ्वी ग्रह पर जीवन को लेकर अनेक चुनौतियां पैदा होने लगी हैं। चूंकि सौरमंडल के सारे ग्रह गुरुत्वाकर्षण बल के जरिए ही परस्पर जुड़े, एक-दूसरे को संतुलित करते हुए गतिमान हैं, इसलिए मंदाकिनी के तारों का अचानक लुप्त होना और अपने पीछे एक ब्लैक होल छोड़ जाना सौरमंडल के लिए खतरे का संकेत है। अवधारणा है कि अरबों वर्ष बाद सूर्य भी एक कृष्ण विवर में परिवर्तित होकर दूसरे तारों को अपने में समाहित करना शुरू कर देगा। माना जाता है कि इसी तरह एक दिन सारे ग्रह ब्लैक होल में समा जाएंगे। मगर अभी तक किसी कृष्ण विवर की विश्वसनीय तस्वीर सामने नहीं आ सकी है। जो भी तस्वीरें उपलब्ध हैं, वे वैज्ञानिकों की कल्पना पर ही आधारित हैं। अब इस रहस्य पर से पर्दा उठाने के मकसद से भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन यानी इसरो ने एक्स-रे पोलरिमीटर यानी एक्सपोसैट का प्रक्षेपण किया है। इससे अंतरिक्ष में एक ऐसी वेधशाला स्थापित की जाएगी, जो विशेष रूप से कृष्ण विवर का ही अध्ययन करेगी। हालांकि इससे पहले कृष्ण विवर के अध्ययन के लिए अमेरिकी अंतरिक्ष अनुसंधान केंद्र नासा अपनी एक वेधशाला स्थापित कर चुका है। मगर उसकी उम्र केवल दो साल की थी, जो अब समाप्त होने को है। भारतीय एक्सपोसैट के पांच साल तक काम करने का अनुमान है। इस तरह यह वेधशाला अधिक समय तक अंतरिक्ष में रह कर ब्लैक होल का पता लगाने और उससे जुड़े तथ्य जुटा पाने में सक्षम होगा। भारत पहले ही चंद्रमा के दक्षिणी ध्रुव पर चंद्रयान तृतीय की 'साफ्ट लैंडिंग' करा कर और सूर्य का अध्ययन करने के उद्देश्य से आदित्य एल-1 का प्रक्षेपण कर अंतरिक्ष अनुसंधान के क्षेत्र में अपनी उपलब्धियों का परचम लहरा चुका है। एक्सपोसैट का प्रक्षेपण कर एक नया कीर्तिमान स्थापित किया है। अगर इस अभियान में इसरो कृष्ण विवर से जुड़े रहस्यों पर से पर्दा उठाने में कामयाब रहता है, तो निस्संदेह यह दुनिया के अंतरिक्ष अनुसंधान में बहुत बड़ी उपलब्धि होगी। नब्बे के दशक तक भारत को उपग्रह प्रक्षेपण के मामले में भी दूसरे देशों पर निर्भर रहना पड़ता था, अब वह न केवल इस क्षेत्र में आत्मनिर्भर हुआ है, बल्कि दुनिया के उपग्रह प्रक्षेपण के बाजार में विकसित देशों से होड़ कर रहा है। अब वह अपने बूते बहुत कम लागत में उपग्रह निर्माण कर अनुसंधान के लिए भी भेजना शुरू कर चुका है। एक्सपोसैट उसी की अगली कड़ी है।

अर्ज किया है..!

ले दे के अपने पास फ़क़त
इक नज़र तो है
क्यूँ देखें ज़िंदगी को किसी
की नज़र से हम

- साहिर लुधियानवी

MORARI BAPU

सत्य-प्रेम-करुणा...

सपने देखें और उनको पूरा करने के लिए मेहनत करें...

साभार - Chitrakutdham Talgajarda

Health is Wealth

ये 5 संकेत करते हैं इशारा आपके बच्चे को चाहिए आपकी एक्स्ट्रा अटेंशन

आजकल की बिजी लाइफस्टाइल की वजह से पेरेंट्स को बच्चों के साथ क्वालिटी टाइम गुजारने का समय मुश्किल से ही मिल पाता है। जिसकी वजह से बच्चों के स्वभाव में कई तरह के परिवर्तन आने लगते हैं। ऐसे ही एक परिवर्तन में उनका अटेंशन सीकिंग एटीट्यूड भी शामिल होता है। जिसकी वजह से बच्चे अपने पेरेंट्स से अटेंशन पाने के लिए कई तरह के अजीबो-गरीब तरीके अपनाने लगते हैं। हालांकि बावजूद इसके जब उन्हें माता-पिता से अटेंशन नहीं मिलती तो बच्चों के स्वभाव में कई तरह के परिवर्तन आने शुरू हो जाते हैं। आइए जानते हैं ऐसे कुछ संकेतों के बारे में जो बताते हैं आपके बच्चे को है आपकी अटेंशन की जरूरत।

भाई-बहन से जलन

अगर परिवार के एक बच्चे को दूसरे बच्चे से ज्यादा अटेंशन मिलती हो तो अक्सर पहले बच्चे के मन में दूसरे बच्चे के लिए जलन की भावना पैदा होने लगती है। अपने भाई बहन से मन में जलन होने के कारण वह उससे लगातार झगड़ा करता रहता है, यह भी एक संकेत है कि बच्चे को आपकी अटेंशन की जरूरत है।

गुस्से में चीजों के फेंकना

अटेंशन ना मिलने पर बच्चे अक्सर गुस्से में अपने पेरेंट्स का ध्यान अपनी तरफ आकर्षित करने के लिए कुछ ऐसा करने की कोशिश करते हैं, जिससे माता-पिता उनकी तरफ देखें। ऐसा ना होने पर वो एग्रेसिव होकर चीजों को इधर-उधर फेंकने लगते हैं। वहीं बच्चों के साथ समय गुजारने वाले पेरेंट्स के बच्चे अपनी एनर्जी को पॉजिटिव तरीके से यूज करते हैं।

गलत शब्दों का इस्तेमाल

पेरेंट्स से बच्चे को अटेंशन ना मिलने पर उसके मन में नकारात्मकता पैदा हो जाती है। जो कई बार उसके शब्दों से भी महसूस हो सकती है। अगर बच्चा कभी आपसे कहे कि 'आई हेट यू' तो हो सकता है आपको सुनकर बुरा लगे या गुस्सा भी आ जाए। लेकिन उसके शब्दों का वास्तविक अर्थ होता है कि वे आपसे जुड़ना चाहता है। वास्तव में उसे आपके प्यार व समय की जरूरत है।

दूर होने पर रोना

बच्चे के अधिक सेंसेटिव होने या फिर उसे आपकी अटेंशन की जरूरत पड़ने पर वह हर समय आपके पास रहने की कोशिश करता है। ऐसा ना होने या फिर आपके पेरेंट्स से दूर होने पर वह रोने लगता है।

Highlights

1. Which are the coldest places in the plains of north India today?
2. Who is Arun Yogiraj, whose Ram Lalla idol has been chosen for Ram Mandir?
3. Gujarat: Toddler dies after 8-hour rescue operation from borewell
4. PM mourns the demise of renowned academic Professor Ved Prakash

Centre hikes windfall tax on petrol crude oil to ₹2,300; tax on diesel, aviation fuel cut

NEW DELHI, (Agency). Amid reports of a decrease in petrol and diesel prices in India soon, the central government has decided to hike the tax on crude oil while subsequently reducing the tax on diesel and aviation turbine fuel, as announced by a notification.

The windfall tax on petroleum crude oil has been increased ₹2,300 ($27.63) a ton from ₹1,300. The government notification further said that a tax on diesel of ₹0.5 per litre was eliminated. The tax on aviation fuel was also reduced by ₹1.

India imposed a windfall tax on crude oil producers in July 2022 and extended the levy on exports of gasoline, diesel and aviation fuel as private refiners wanted to sell fuel overseas to make gains from robust refining margins instead of selling locally.

Windfall tax on crude oil is imposed by governments of different countries when an industry unexpectedly outperforms and generates substantial profits. When the rates of the global benchmark

is increased above $75 per barrel, then the windfall tax is imposed on domestic crude oil.

The change in the windfall tax by Centre comes just day after reports that the government will be slashing the rates of petrol and diesel across the country in 2024, ahead of the upcoming Lok Sabha elections in April-May.

Centre to cut petrol, diesel prices: Report

Centre is currently discussing the possibility of cutting the prices of petrol and diesel ahead of the 2024 Lok Sabha elections, reported News18 in December. The petrol prices be likely cut by ₹10 per litre by the Centre soon.

The Union Finance Ministry has sent a proposal to proposal to the Centre regarding the same, suggesting a price cut of ₹10 in fuel. Two years ago, the Indian government had slashed the petrol and diesel prices by ₹8 and ₹6 respectively.

Earlier, the petrol and diesel prices were cut in India after they touched a record high amid the spike in crude oil rates globally, hiked due to the Covid pandemic and the Russia-Ukraine war.

The petrol prices in Delhi currently stand at ₹96.72 per litre, while the diesel prices are ₹89.62 per litre.

LIC receives ₹806 crore notice from Maharashtra, faces ₹400 cr penalty if...

NEW DELHI, (Agency). Life Insurance Corporation (LIC) of India has received a hefty GST notice from the Maharashtra deputy commissioner of state tax, imposing a penalty of ₹404 crore on the firm for various shortcomings in tax-related compliances in FY2017-2018.

The Maharashtra tax department sent LIC a GST notice of ₹806.4 crore, demanding ₹365.02 crore of

GST dues, ₹404.7 crore of penalty, and an interest payment of ₹36.5 crore. This move comes shortly after LIC has received multiple notices from state governments.

According to the tax notice, LIC failed to observe multiple rules set by the state department, such as the non-reversal of input tax credit according to the CGST rules 37 and 38. The GST officials also said that LIC did not follow the reversal of input tax credit availed from reinsurance, reported Moneycontrol.

LIC is also liable to pay interests and dues on the delayed payment made with GSTR-3B. LIC also disclosed less reverse charge mechanism (RCM) liability than shown by its suppliers, the notice said.

कार ने ली युवक की जान

दूसरे हादसे में ड्राइवर की भी मौत

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। सांवेर रोड पर एक युवक की सडक़ हादसे में मौत हो गई। बताया जाता है कि इंदौर से उज्जैन जाते समय एक कार ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। एंबुलेंस से युवक को एमवाय लेकर आया गया। यहां उसने दम तोड़ दिया। वहीं एक अन्य हादसे में गांधी नगर इलाके में ड्राइवर की भी मौत हो गई। दोनों ही मामलों में पुलिस मर्ग कायम कर जांच कर रही है।

बाणगंगा पुलिस के मुताबिक घटना संजय नगर की है। यहां पवन (27) पुत्र लालाराम नामदेव सोमवार दोपहर सडक़ पार कर रहा था। इस दौरान इंदौर से उज्जैन की तरफ जा रही एक कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। मौके पर मौजूद लोगों ने कार नंबर रूक्क0९्९ड्ढ6468 को रोकने की कोशिश की।

लेकिन ड्राइवर गाड़ी लेकर फरार हो गए। कॉल कर एंबुलेंस को बुलाया गया। पवन को उपचार के लिये एमवाय भेजा गया। देर शाम पवन ने दम तोड़ दिया। स्थानीय पुलिस के मुताबिक प्रत्यक्षदर्शियों से कार का नंबर मिला है। जिसके आधार पर ड्राइवर ओर गाड़ी की तलाश की जा रही है। हादसा पवन के घर के सामने कुछ ही दूरी पर हुआ। हादसे के बाद परिवार के लोग दौड़ते हुए मौके पर आए। पवन ओर उसके परिवार के लोगे पेशे से किसान हैं। उसकी शादी को आठ साल हो गए। परिवार में एक बेटा और पत्नी और माता-पिता हैं। इसी प्रकार अजय पिता कमल 25 साल निवासी जम्बुड़ी हप्सी कल रात काम कर के घर लौट रहा था, तभी सुपर कॉरिडोर पर अज्ञात वाहन टक्कर मार दी जिससे उसकी घटना स्थल पर ही मौत हो गई गांधी नगर पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है।

इंदौर में सुबह रहा घना कोहरा

सर्द हवाओं का असर शुरू, दिल्ली जाने वाली फ्लाइट दो घंटे लेट

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। मंगलवार सुबह से ही मौसम बदला हुआ है। यहां तडक़े से ही घना कोहरा छाया रहा। हालात ये हैं कि सौ मीटर दूर का भी दिखाई नहीं दे रहाथा, जबकि हाइवे वाले रास्तों पर यह दूरी 70 से 80 मीटर ही रही। इसके चलते वाहन चालकों को ब्लिंकर और हेडलाइट ऑन करके चलना पड़ रहा है। कोहरे के कारण इंदौर से दिल्ली जाने वाली फ्लाइट जो सुबह 6.55 बजे उड़ान भरती है वह 9 बजे रवाना हुई।

वहीं शहर में भी वाहन चालकों के साथ पैदल चलने वालों को सावधानी रखना पड़ रही है। मौसम विभाग का दावा है कि दो दिन बाद यानी 4 जनवरी से कड़ाके की ठंड पडऩे के आसार हैं। कहीं-कहीं बूंदाबांदी के भी आसार हैं। 31 दिसम्बर को दिन का तापमान 29 डिग्री (+3) सेल्सियस और रात का तापमान 14.6 (+5) डिग्री सेल्सियस था। इसके बाद 1 जनवरी की दोपहर को बादल छाए और हवा की रफ्तार 10 किमी प्रति घंटा होने से तापमान में गिरावट आई। इस दौरान तापमान 27.9 (-2) डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। रात के तापमान में पिछले 24 घंटे में 1 डिग्री की बढ़ोतरी रही। इस दौरान तापमान 15.3 (+6) डिग्री रहा।

फिर मंगलवार सुबह से ही शहर घना कोहरा छाया था। इस दौरान दृश्यता 1000 मीटर की थी। दूर-दूर तक सडक़ पर गुजरते वाहन कोहरे के कारण ठीक से दिखाई नहीं दे रहे थे। सुबह 8 बजे तक स्थिति थी कि वाहन चालक हेड लाइट चालू रखने के साथ वाहन चला रहे थे। हवा की गति 6 किमी प्रति घंटा होने के साथ मौसम में काफी ठण्डक थी।

आबकारी विभाग की कार्रवाई 51 हजार 600 रुपए की 7 पेटी विदेशी मदिरा जब्त

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। **कलेक्टर डॉ. इलैयाराजा टी के आदेश एवं सहायक आबकारी आयुक्त मनीष खरे के निर्देशन में आबकारी कंट्रोलर राजीव मुद्गल एवं उडऩदस्ता प्रभारी अनिल माथुर के मार्गदर्शन में अवैध मदिरा के विरुद्ध कड़ी कार्यवाही का सिलसिला जारी है।**

इसी कड़ी में नववर्ष के पूर्व 31 दिसंबर 2023 पर इंदौर आबकारी की अलग-अलग टीमों द्वारा अवैध मदिरा जप्त करने की कईं कार्रवाई की गई। निरंजनपुर क्षेत्र में अमरजीत सिंह पिता दारा सिंह के रिहायशी मकान पर दबिश देकर 7 पेटी अवैध विदेशी मदिरा जप्त कर आरोपी को गिरफ्तार कर उसके विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम 1915 की धारा 34(1)क, 34(2) का प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसी प्रकार दो पहिया वाहन पर आरोपी रितिक पिता कमल को दो पेटी देसी मदिरा प्लेन (कुल 18 बली) परिवहन करते हुए गिरफ्तार किया गया। मदिरा एवं वाहन को कब्जे आबकारी लेकर आरोपी के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। उप निरीक्षक श्री सुनील मालवीय के द्वारा एक मोटरसाइकिल पर विदेशी मदिरा बियर को परिवहन करते हुए आरोपी निर्मल पिता रामस्वरूप को गिरफ्तार कर मदिरा एवं वाहन को कब्जे आबकारी लेकर जप्त किया। आरोपी के विरुद्ध मप्र आबकारी अधिनियम की धारा 34(1)क के तहत प्रकरण पंजीबद्ध किया गया। इसके अतिरिक्त जिले के विभिन्न वृत्तों में कायम किये गए 31 प्रकरणों में 12 लीटर हाथ भट्टी मदिरा, 2 लीटर देशी मदिरा, 10 लीटर विदेशी मदिरा स्परिट तथा 27 लीटर बियर जप्त की गई। उक्त समस्त जप्त सामग्री की कीमत लगभग 2 लाख 21 हजार 600 रुपए है।

वाइस मैसेज भेजकर दिया तलाक, अब केस दर्ज

इंदौर। रावजी बाजार पुलिस ने तीन तलाक के मामले में खजराना के एक व्यक्ति के खिलाफ केस दर्ज किया है। आरोपी ने अपनी पत्नी को वॉट्सएप पर वाईस मैसेज भेजकर तीन बार तलाक कह दिया। पत्नी की शिकायत के बाद पुलिस अब आगे की कारवाई कर रही है। पुलिस के मुताबिक रावजी बाजार में रहने वाली एक महिला ने थाने आकर शिकायत की थी कि उसके पति मोहम्मद इरफान ने उसे तीन तलाक दे दिया। इस पर पुलिस ने केस दर्ज कर लिया। जांच में सामने आया कि 2021 में दोनों की शादी हुई। बीमार होने के चलते आए दिन पति विवाद करता है। 22 दिसंबर को उसने अपनी पत्नी के मोबाइल पर वाट्सएप पर वाईस मैसेज भेजकर तीन बार तलाक कहा। इसके बाद जब उन्हें शहर काजी के यहां बुलाया तो यहां भी इरफान ने तीन तलाक कहकर अपनी पत्नी को साथ रखने से इंकार कर दिया।

छात्र को चाकू मारने वालों ने लगाया पथराव का आरोप्

इंदौर। एक छात्र को चाकू मार कर गंभीर घायल करने वाले पक्ष ने एक अन्य पक्ष पर पत्थराव का आरोप लगाकर रिपोर्ट दर्ज करवाई है। मामला एरोड्रम थाना इलाके के नगीन नगर का है। फरियादी कविता पति राजेश निवासी नगीन नगर की शिकायत पर आरोपी गोलू परिहार, अंकित, गौरव, सावन, कुशल और दिव्या गौड़.के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। पीडि़ता ने पुलिस को बताया कि आरोपी पक्ष ने लेनदेन के विवाद के चलते उन पर पथराव कर हमला किया। दरअसल पिछले दिनों कुशल गौड के खिलाफ एक शिकायत दर्ज करवाई गई थी, इसी शिकायत को वापस लेने का दबाव बनाया जा रहा था। साथ ही लेनदेन का भी झगड़ा था। इसी को लेकर आरोपियों ने हमला कर दिया। पीडि़ता का कहना है कि उसके पति राजेश इस हमले में घायल हुए हैं, वही बीचबचाव में उनकी बेटी को भी चोट आई है। गौरतलब है कि झगड़े के दौरान अपने घर से बाहर निकले कुशल पर भी चाकू से हमला हुआ है जिसका इलाज निजी अस्पताल में चल रहा है। कुशल पक्ष ने कविता पक्ष पर ही हमले का आरोप लगाया है।

महिला और किसान ने की आत्महत्या

@ डिटेक्टिव ग्रुप रिपोर्ट

इंदौर। एक महिला सहित किसान ने भी एसिड पीकर अपनी जान दे दी। दोनों को उपचार के लिये एमवाय अस्पताल में भर्ती कराया गया था। बाणगंगा पुलिस के मुताबिक 58 साल की धनपति पति राजाराम यादव निवासी मुखर्जी नगर को उपचार के लिये उनका बेटा धर्मेन्द्र एमवाय अस्पताल लेकर सोमवार को पहुंचा। यहां शाम में धनपति की मौत हो गई। डॉक्टरों के मुताबिक धनपति ने एसिड पी लिया। बेटे ने पुलिस को बताया कि कुछ माह से उनका मानसिक संतुलन ठीक नहीं है। सोमवार को वह सुबह पानी भरने के दौरान उन्होंने एसिड पी लिया। वह चिखी तो कमरे से नीचे आए। जिस पर पूछने पर उन्होंने यह बात बताई। इसके बाद एमवाय अस्पताल लेकर आए। धनपति के पति की भी पांच साल पहले मौत हो चुकी है। परिवार में दो बेटे बहू हैं। उधर, महू गांव में रहने वाले मनोज (50) पुत्र रामसिंह राठौर को भी उपचार के लिये एमवाय अस्पताल लेकर आया गया। बेटे ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया पुलिस के मुताबिक अभी आत्महत्या के पीछे कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। परिवार ने गलती से एसिड पीने की बात कही है।

नशेड़ी एंबुलेंस चालक ने बारातियों से किया विवाद

इंदौर। चंदन नगर क्षेत्र में कल बड़ा बवाल होते-होते बचा। देर रात जिला अस्पताल के बाहर अवैध रूप से खड़े होकर एंबुलेंस चलाने वाले नशेड़ी एंबुलेंस चालक ने बारातियों से विवाद कर हंगामा खड़ा कर दिया था। सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार जिला अस्पताल के बाहर अवैध रूप से एंबुलेंस चलाने वाले नशेड़ी वाहन चालकों ने कल विवाद किया था। क्षेत्र से एक बारात निकल रही थी उसी में उन्होंने हंगामा कर दिया। बारातियों और एंबुलेंस चालक के बीच वाद विवाद की भी बात सामने आई है। मौके पर पुलिस पहुंची थी, कुछ युवकों को पडक़र चौकी पर बैठाया भी गया था। हालांकि बाद में विवाद रफा दफा कर उन्हें रवाना कर दिया। गौरतलब है कि चंदन नगर क्षेत्र संवेदनशील इलाका है यहां इस तरह के वाद विवाद किसी भी दिन बाद कौमी रूप ले सकते हैं।

स्वामी, मुद्रक एवं प्रकाशक - पुष्पेंद्र पुष्प द्वारा पंकज प्रिंटर्स एंड पैकेजिंग एलयूएन-22, सेक्टर एफ, सांवेर रोड, इंडस्ट्रीयल एरिया, इंदौर से मुद्रित एवं 406- इंडस्ट्री हाउस 15 ए.बी. रोड, ओल्ड पलासिया, इंदौर (म.प्र.) से प्रकाशित।
■ आर.एन.आई. नंबर MPBIL/2015/66535 ■ डाक पंजीयन : एमपी/आईडीसी/1600/2023-2025 ■ *प्रधान संपादक - पुष्पेन्द्र पुष्प, ■ फोन : 0731-2433667 ■ *पीआरबी एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। न्याय क्षेत्र इंदौर रहेगा।
इस समाचार पत्र में प्रकाशित विभिन्न समाचार, सूचनाएं, आलेख एवं विचार लेखकों के अपने है तथा विभिन्न समाचार एजेंसियों एवं स्त्रोतों से प्राप्त किए गए हैं अतः इनसे प्रकाशक, संपादक एवं मुद्रक का सहमत होना अनिवार्य नहीं है- संपादक